ऐके गुढी कहथेन।.

ऐके गुढी कहथेन।.

चैत्रक पहिला दिन महाराष्ट्र में नये साल क पहिला दिन होथ।.

ओके गुढी पाडवा कहथेन।.

वह दिना पर लडिक्यन के गरे में बतासा क बना माला पहिनाव थेन।. होली, रंगपंचमी में भी ऐसे करथेन।.

लडिक्यन के गरे में खाऐ वाला सामान, अंगुर आदि फलें वाली माला पहिनावथेन।. हाथे में लडिक्यन के

चुडी बनय के पहिनावथेन।. लडिक्यन इसब बहुत मजेसे खाथेन।.

अइसे आप भी करयं, कुपोषण (अधुरा पोषण) खतम होय जाई।.